बुधवार

21 जनवरी 2026

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 348
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

घर पाडे का, बेचैनी सरकार की!

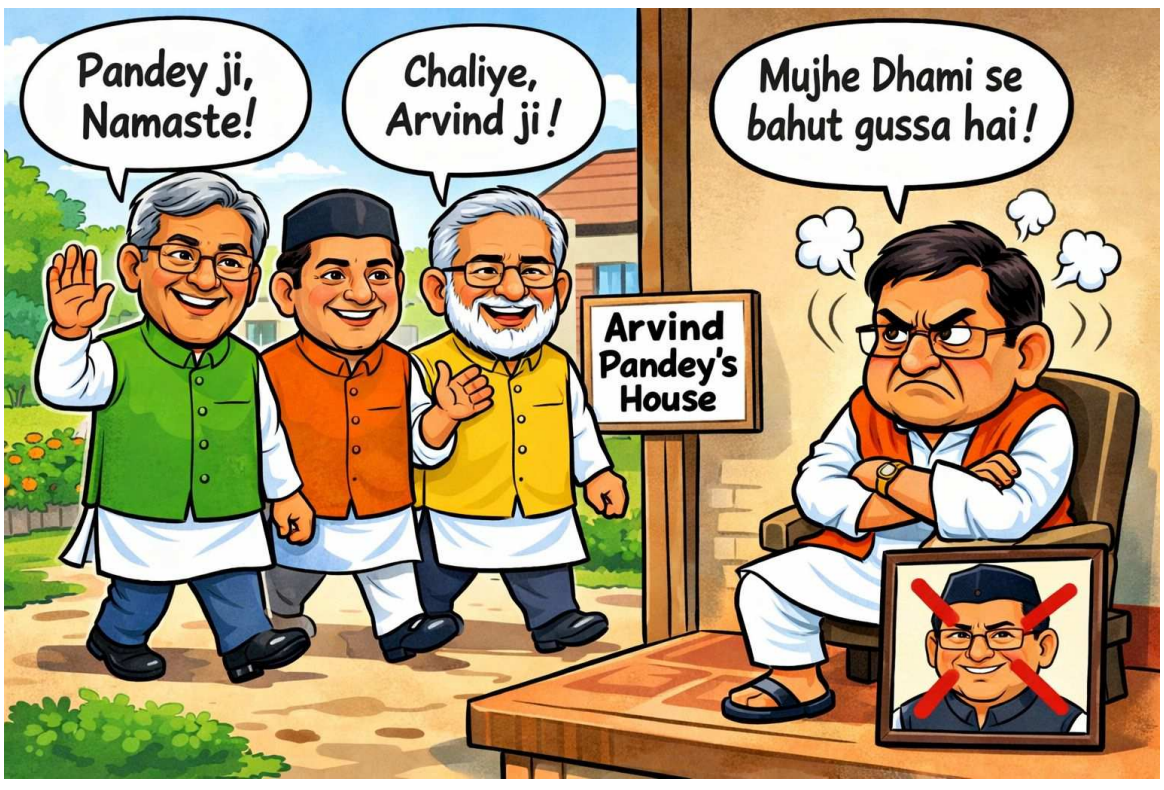

श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, मा० सांसद, (लोकसभा) हरिद्वार/पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
का भ्रमण कार्यक्रम

दिनांक 22 जनवरी, 2026 (गुरुवार)

1330 बजे	प्रस्थान	कनखल हेलीपैड से प्रस्थान **(हेली द्वारा)**
1400 बजे	**आगमन**	**ANK इंटर कॉलेज, गूलरभोज, ज़िला उधम सिंह नगर**
1400 बजे	प्रस्थान	ANK इंटर कॉलेज, गूलरभोज, ज़िला उधम सिंह नगर
1415 बजे	**आगमन**	**माननीय विधायक श्री अरविंद पाण्डेय जी के आवास पर (1415-1515 बजे तक आरक्षित)**
1515 बजे	प्रस्थान	माननीय विधायक श्री अरविंद पाण्डेय जी के आवास से
1530 बजे	**आगमन**	**ANK इंटर कॉलेज, गूलरभोज, ज़िला उधम सिंह नगर**
1530 बजे	प्रस्थान	ANK इंटर कॉलेज, गूलरभोज, ज़िला उधम सिंह नगर से **(हेली द्वारा)**
1600 बजे	**आगमन**	**सहस्त्रधारा हेलीपैड, देहरादून**

नोट : मा० सांसद, हरिद्वार/ पूर्व मुख्यमंत्री जी के भ्रमण कार्यक्रम में श्री अनिल बलूनी जी- मा. सांसद गढ़वाल, श्री मदन कौशिक - मा. विधायक (पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा उत्तराखंड) , निजी सचिव-अभय सिंह रावत एवं PSO जयप्रकाश ध्यानी (7017969516) साथ रहेंगे।

(अभय सिंह रावत)
निजी सचिव
मा० सांसद, हरिद्वार,
पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
मो०- 8433072885

- ***मा० सांसद, हरिद्वार Y श्रेणी की सुरक्षा से आच्छादित है, मा० सांसद जी का ब्लड ग्रुप B+ है।***

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. मा० प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखण्ड सादर को सूचनार्थ।
2. जिलाधिकारी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, देहरादून/ हरिद्वार/ उधमसिंहनगर को सादर सूचनार्थ एवं इस आशय से कि कृपया मा० सांसद, (लोकसभा) हरिद्वार /पूर्व मुख्यमंत्री जी के भ्रमण के दौरान उनकी सुरक्षा हेतु एस्कोर्ट उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
3. मा०सांसद/मा० विधायक/मा० जिला पंचायत अध्यक्ष/मा० अध्यक्ष नगर पालिका/नगर पंचायत/ब्लॉक प्रमुख/मा० जिलाध्यक्ष (समस्त मोर्चे भा०ज०पा०)/मण्डल अध्यक्ष भाजपा को सम्बंधित जिलाधिकारी कार्यालय के माध्यम से सूचनार्थ प्रेषित।
4. जिला सूचना अधिकारी को सादर सूचनार्थ।
5. मानक सूची के अनुसार।

(अभय सिंह रावत)
निजी सचिव
मा० सांसद, हरिद्वार,
पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
मो०- 8433072885

पाडे के घर कल बड़ी राजनीतिक बैठक

हमारे संवाददाता

देहरादून/ऊधमसिंहनगर। उत्तराखंड की राजनीति में इन दिनों सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा। पूर्व मुख्यमंत्री व हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अनिल बलूनी और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक का एक साथ विधायक अरविंद पांडे के आवास पर एक साथ जाने का प्रोग्राम बनाना सियासी गलियारों में कई संकेत दे रहा है।

बता दें कि यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है, जब एक ओर अरविंद पांडे को सरकारी/राजस्व भूमि पर अतिक्रमण के मामले में तहसील प्रशासन की ओर से नोटिस जारी हुआ है, वहीं दूसरी ओर पांडे और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बीच संबंधों में खटास की चर्चाएं भी लगातार तेज हैं।

तहसील गदरपुर द्वारा जारी नोटिस के अनुसार ग्राम गुलरभोज स्थित भूमि पर अवैध निर्माण का उल्लेख किया गया है। हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में की गई जांच के बाद अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए हैं, अन्यथा प्रशासनिक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

इसी बीच त्रिवेंद्र रावत का पूर्व निर्धारित दौरा कार्यक्रम सामने आया, जिसमें कल उनका अरविंद पांडे के आवास पर पहुँचना शामिल है। राजनीतिक जानकार इसे महज शिष्टाचार भेंट नहीं मान रहे। चर्चा है कि यह मुलाकात धामी व पांडे के बीच चल रहे 'ठंडे राजनीतिक कटाक्ष' और अंदरूनी असंतोष को साधने की कोशिश भी हो सकती है।

उधर भाजपा खेमे के भीतर भी यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या नोटिस केवल प्रशासनिक प्रक्रिया है या इसके सियासी मायने भी हैं? और क्या वरिष्ठ नेताओं की यह मौजूदगी किसी डैमेज कंट्रोल का संकेत है? फिलहाल आधिकारिक तौर पर सभी पक्ष इसे सामान्य मुलाकात बता रहे हैं, लेकिन समय, परिस्थितियाँ और जारी नोटिस यह इशारा जरूर कर रहे हैं कि उत्तराखंड भाजपा के भीतर सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है।

बिल्डर्स से मांगी एक करोड की रंगदारी

संवाददाता

देहरादून। बिल्डर्स से एक करोड की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएमएस रोड निवासी राजेन्द्र अग्रवाल ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह आरए कन्स्ट्रक्शन फर्म का पार्टनर है। उसने बताया कि पिछले कुछ समय से सहारनपुर निवासी एक व्यक्ति द्वारा खुद को एक रियल स्टेट कमीशन एजेंट बताकर उसके व उसकी फर्म की व्यापारिक छवि को सार्वजनिक रूप से बदनाम करने और व्यापार को आर्थिक नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से ब्लैकमेल कर रहा है।

बताया कि उक्त व्यक्ति की धमकियों से अपनी छवि और व्यापार को बचाने के लिए समय-समय पर उसे समझाया गया है। लेकिन वह मानने को तैयार नही है। उसके द्वारा अवैध धन वसूली की ध मकी अपने रजिस्टर्ड फोन नम्बर से उसके व्हाट्सएप और सोशल मीडिया अकांउट पर पोस्ट किये जा रहे हैं। आरोपी द्वारा उसके मोबाइल नम्बर पर भेजी गयी धमकियों एवं अपमानजनक संदेश का स्क्रीनशॉट और वीडिया क्लिप संलग्न है। उसके द्वारा व्योम शर्मा को

कानून का उल्लंघन न करने और उसके व्यवसाय की प्रतिष्ठा को खराब न करने की लगातार सलाह दिया लेकिन वह उसको पैसा न देने पर जान से मारने की धमकी देता रहता है। बताया कि उक्त व्यक्ति की छवि आपराधिक किस्म की है। आरोपी द्वारा उसको भेजे गये वीडियो क्लिप में यह खुलेआम दावा किया जा रहा है कि उसे उसकी फर्म और उसको बदनाम करने हेतु अपराधियों का संरक्षण प्राप्त है और कोई भी उसका कुछ नहीं बिगाड सकता है। आरोपी द्वारा उससे एक करोड रूपये की अवैध धन वसूली की मांग की जा रही है और ऐसा न करने पर उसकी जान और फर्म की साख एवं बिजनेस को नुकसान पहुंचाते रहने की धमकी दी जा रही है।

बताया कि आरोपी के अपराधिक चरित्र से बचाव के लिए अब तक उसके एकाउंट से लगभग 17 लाख रूपये का भुगतान उसे किया जा चुका है परन्तु जब उसके द्वारा और पैसे देने से मना किया गया तो आरोपी ने उसको धमकाते हुए कहा कि यदि उसको और पैसे नहीं दिये जाते हैं तो उसके सोशल मीडिया प्लेटफार्म इन्सटाग्राम, फेसबुक पर बहुत बडी संख्या में फोलोवर्स है जिनपर वह वीडिया पोस्ट करके उसकी व उसकी फर्म की साख को धुमिल व अपमानित करने का कार्य करेगा। जो कि उसने करना भी शुरू कर दिया है। बहरहाल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

पलायन बड़ी समस्या

राज्य से हो रहे लगातार पलायन को रोक पाने में सरकार असफल साबित हो रही है। जबकि राज्य सरकार द्वारा इसको रोकने के लिए पलायन आयोग का भी गठन कर रखा है लेकिन फिर भी राज्य से पलायन थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य से होने वाले पलायन के कारण गांव के गांव खाली हो चुके है जबकि सीमावर्ती प्रदेश होने के कारण सुरक्षा के दृष्टीकोण से यह एक गम्भीर विषय है। बात अगर राज्य से पलायन होने की की जाये तो इसके पीछे कई अहम कारण छिपे हुए है। जिन पर आज तक की सरकारों द्वारा जानते समझते हुए भी कोई गौर नहीं किया जाता रहा है। राज्य के पहाड़ी जनपदों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार का तो अभाव है ही साथ ही हर साल आने वाली आपदा का कहर भी इसके प्रमुख कारणों में से एक है जिसके कारण लोगों को जान माल का बहुतायत नुकसान झेलना पड़ता है। इन सबसे जूझ कर भी जब इन जिलों में लोग फिर भी सकून से रहना चाहते है तो उन पर जगंली जानवरों का कहर टूट पड़ता है जिस पर सरकार गौर करने करने को तैयार नहीं है। पिछले कुछ माह से सर्द मौसम होने के कारण तकरीबन हर जिलों में वन्य जीव और मानव संघर्ष बढ़ने लगा है। जिसने आम जन की दुश्वारियां बढ़ा दी है। पौड़ी जिले के पोखड़ा की पणिया ग्राम सभा के तोक गांव बस्ताग में एक ग्रामीण को पलायन इसलिए करना पड़ा क्योंकि एक सप्ताह के अंतराल में भालू ने उसके छह मवेशियों की जान ले ली। बताया तो यहां तक जा रहा है कि अब भालू उनके आंगन में ही चहल कदमी कर रहा है। जिसके कारण सुरक्षा के दृष्टिगत उस परिवार को गांव से पलायन करने पर मजबूर होना पड़ा है। ऐसे एक नहीं कई मामले सामने आये है जब स्थानीय लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आपदा व वन्य जीवों के हमलों के कारण राज्य से पलायन करने पर मजबूर होना पड़ा है। सरकार को अगर राज्य से पलायन रोकना है तो उसे राज्य के लोगों की इन सभी समस्याओं पर गौर करने की जरूरत है अन्यथा उस पलायन आयोग के गठन का कोई औचित्य नही है जिसे पलायन को रोकने की जिम्मेदारी दी गयी है।

ऐननडेल पब्लिक स्कूल की लड़कियों ने उत्तराखण्ड का नाम रोशन किया

संवाददाता

देहरादून। ऐननडेल पब्लिक स्कूल की लड़कियों ने विभिन्न खेल और शैक्षिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके उत्तराखण्ड राज्य का नाम रोशन किया है।

आज ऐननडेल पब्लिक स्कूल की लड़कियों ने विभिन्न खेल और शैक्षिक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके उत्तराखण्ड राज्य का नाम रोशन किया है। उनकी उपलब्धियों ने स्कूल और राज्य को गौरवान्वित किया है। एक उल्लेखनीय उपलब्धि में, कक्षा 4 की अनन्या कुमारी ने जम्मू में तायक्वोंडो में अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। इसी तरह, कक्षा 7 की अपर्णा चौधरी ने खो-खो में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। स्कूल के कई अन्य विद्यार्थियों ने भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीते हैं, जिससे स्कूल और राज्य का नाम लगातार रोशन हो रहा है। अपनी सफलता का जश्न मनाने के लिए, स्कूल के प्रधानाचार्य जी एस आनन्द ने छात्रों की प्रशंसा की और मिठाई वितरित की, साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। संस्था के प्रमुख ने सभी क्षेत्रों में छात्रों को निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन का आश्वासन दिया, यह कहते हुए कि स्कूल उत्तराखण्ड का नाम रोशन करने के लिए लगातार काम करता रहेगा।

'भूख न जाने फीकी भात, नींद न जाने टूटी खाट, इस मुहावरे को साबित करते वानर राज।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा किया गया थाना मुनिकीरेती का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

संवाददाता

टिहरी। अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना मुनिकी रेती का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां अपर पुलिस अधीक्षक टिहरी द्वारा थाना मुनिकीरेती का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा थाना परिसर के मालखाना, शस्त्रागार, अभिलेख/रजिस्टर, सीसीटीएनएस प्रणाली, मैस व्यवस्था तथा थाना परिसर की स्वच्छता का गहन एवं क्रमबद्ध परीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय सीसीटीएनएस के अंतर्गत विभिन्न पोर्टलों को एसएचओ डैशबोर्ड के माध्यम से जांचते हुए डाटा की अद्यतन स्थिति, प्रविष्टियों की शुद्धता एवं ऑनलाइन प्रक्रियाओं के प्रभावी अनुपालन का मूल्यांकन किया गया। साथ ही हिस्ट्रीशीटर एवं मफरूर रजिस्टर का अवलोकन कर अपराध नियंत्रण एवं निगरानी से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा शस्त्रों की सुरक्षित हैंडलिंग, रख-रखाव एवं उपयोग की प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई तथा कर्मियों को मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त क्राइम किट बॉक्स की उपलब्धता, रख-रखाव एवं वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन में उसके प्रभावी उपयोग पर भी चर्चा की गई और विवेचनाओं में फॉरेंसिक दृष्टिकोण को और अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया गया। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा उप निरीक्षक/विवेचकों को वर्ष 2025 तक की समस्त लंबित विवेचनाओं एवं जांच प्रार्थना-पत्रों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना मुनिकीरेती की समग्र कार्यप्रणाली, अनुशासन, अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण, डिजिटल प्रणाली के प्रभावी उपयोग तथा स्वच्छता व्यवस्था की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता और पेशेवर मानकों के साथ कार्य करते रहने हेतु पुलिस बल का उत्साहवर्धन किया।

घनसाली में ग्राम चौकीदारों को बेस्ट पुलिसिंग हेतु ब्रीफ किया

संवाददाता

टिहरी। घनसाली पर नियुक्त चौकीदारों को क्षेत्रांतर्गत ग्राम क्षेत्र में होने वाली आपराधिक गतिविधि व गांव में आने जाने वाले बाहरी व्यक्तियों के शत प्रतिशत सत्यापन किए जाने हेतु सर्व संबंधित को आवश्यक रूप से जानकारी देने हेतु बताया गया।

आज यहां कोतवाली घनसाली पर नियुक्त चौकीदारों को कोतवाली घनसाली क्षेत्रांतर्गत ग्राम क्षेत्र में होने वाली आपराधिक गतिविधि व गांव में आने जाने वाले बाहरी व्यक्तियों के शत प्रतिशत सत्यापन किए जाने हेतु सर्व संबंधित को आवश्यक रूप से जानकारी देने हेतु बताया गया। साथ ही ग्राम क्षेत्र में रहने वाले शस्त्र लाइसेंसदारान के सत्यापन किए जाने व उच्चाधिकारी गण के द्वारा जारी निर्देशों के सम्बन्ध में अवगत कराते हुए ग्राम समाज से समन्वय स्थापित कर समुचित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

सिटी बस संचालकों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन न करने पर महानगर सिटी बस सेवा सोसाइटी ने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां देहरादून महानगर सिटी बस सेवा सोसाइटी के बैनर तले सिटी बस संचालक परेड ग्राउंड में एकत्रित हुए जहां से वह प्रदर्शन करते हुए लैसंडाउन चौक पहुंचे जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय नैनीताल की डिवीजन बेंच द्वारा 3 सितम्बर 2025 के पारित आदेश में स्पष्ट कहा है कि टाटा मैजिक 8 सीटर वाहनों या अन्य टाटा मैजिक वाहन जिसमें सिंगल दरवाजा है ऐसी किसी भी वाहन के परमिट को नवीनीकरण नहीं किया जाएगा। लेकिन आरटीओ देहरादून द्वारा वर्तमान में टाटा मैजिक वाहनों के परमिट का नवीनीकरण किया जा रहा है जो स्पष्ट रूप से उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना है। परिवहन निगम द्वारा जब छोटी गाडी 8 से 10 सीटर टाटा मैजिक वाहन को नखगर बस बनाकर स्टेज कैरिज बस परमिट दिया गया है। जबकि केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम की धारा 125 सी के अनुसार बस बॉडी 052 है और बस बॉडी कोड में 13 सीटर से अधिक वाहन में बस बॉडी कोड लागू होता है। मैक्सी कैब वाहनों को मोटरयान अधिनियम की 1988 की धारा 2 (7) के अनुसार कांटेक्ट कैरिज कहा गया है और धारा 2 (22) के अनुसार मैक्सी कैब 7 सवारी से 12 सवारी ड्राइवर को छोडकर मैक्सी कैब वाहन है लेकिन परिवहन अधिकारियों द्वारा पहले 8 से 10 सीटरा टाटा मैजिक वाहन को मैक्सी कैब का परमिट दिया गया लेकिन भ्रष्टाचार करते हुए मैक्सी कैब वाहन को ओमनी बस में परिवर्तित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग के अति विचित्र कार्यो की राज्य सरकार की एजेंसी एसआईटी, विजिलेंस से जांच करना अति आवश्क है।

5 खिलाड़ियों को मिला गोल्ड, वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए चयन

संवाददाता

देहरादून। यहां जम्मू कश्मीर के जे.के.एस.सी. इंडोर स्टेडियम में आयोजित '7वीं नेशनल क्वान की-डो (वियतनाम की मार्शल आर्ट) नेशनल चैंपियनशिप में उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने ' (16-18 जनवरी) में सफलता का नया इतिहास रच दिया है। मुख्य कोच विशाल कश्यप के मार्गदर्शन और रणनीति के दम पर उत्तराखंड की टीम ने देश भर के 900 से अधिक खिलाड़ियों के बीच अपना दबदबा कायम किया। इस प्रतियोगिता की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि उत्तराखंड की ओर से स्वर्ण पदक जीतने वाली पांचों प्रतिभावान महिला खिलाड़ियों- आयुषी अरोड़ा, धरांशी, खुशी, सायरा और इशिका का चयन आगामी वर्ल्ड क्वान की-डो चैंपियनशिप के लिए हो गया है। यह राज्य के लिए एक बड़ा गौरवपूर्ण क्षण है कि ये खिलाड़ी अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस नेशनल चैंपियनशिप में कोच विशाल कश्यप की रणनीति ने बाजी पलट कर रख दी। मैदान पर मौजूद लोगों के अनुसार, मुकाबलों के दौरान कोच विशाल कश्यप की 'रियल-टाइम गाइडेंस' और तकनीकी सुझाव खिलाड़ियों के लिए वरदान साबित हुए। कई कड़े मुकाबलों में, जहाँ जीत की उम्मीद कम दिख रही थी, वहां पर कोच विशाल कश्यप की रणनीति के दांव-पेंच के मार्गदर्शन ने खिलाड़ियों कि हारी हुई बाजी को जीत में बदल कर रख दिया। कोच विशाल कश्यप की रणनीति के अनुसार खेलते हुए टीम ने पदक हासिल किए हैं।' स्वर्ण पदक आयुषी अरोड़ा, धरांशी, खुशी, सायरा, इशिका। (सभी वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए चयनित)' रजत पदक: आराध्या चौधरी, आराध्या वर्मा, अभिषेक वर्मा, आदित्य कुमार, भूमि, बुशरा, काव्य कुमार, रिद्धि, रिया, शालिनी बिष्ट और वेदांश डबराल। कांस्य पदक : आरोही चौधरी, आदित्य, आदित्य उनियाल, अनन्या, अंगद अरोड़ा, कार्तिक सिंह, क्रिस्टी, कृतिका ठाकुर, पूजा, ऋषभ, रौनक और शैलेश पदक हासिल किए हैं। कोच विशाल कश्यप के अनुसार अब वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए लक्ष्य मिशन 'तिरंगा' पर पूरी टीम की नजर है। कोच ने यह भी कहा है कि अंशिका, अनिकेत, गुंजन जोशी, मुकुंद थापा और यश सिंघल , श्रेयांश दास ने भी रिंग में अपनी फाइटिंग स्पिरिट से सबको प्रभावित किया। यद्यपि वे पदक तालिका में स्थान नहीं बना सके, लेकिन यह बच्चे आने वाले कल के चैंपियन होंगे। जीत हासिल करने के बाद पूरी टीम ने जम्मू में मां वैष्णो देवी के दर्शन किए। जीत के बाद भावुक होते हुए कोच विशाल कश्यप ने कहा कि बच्चों ने बहुत अधिक मेहनत की है। इतनी कड़ाके की सर्दी में भी बच्चों ने अकादमी में अपने प्रशिक्षण के लिए पूरा समय दिया है। कोच का कहना है कि इन बच्चों ने केवल पदक ही नहीं जीते, बल्कि अपनी मेहनत से वर्ल्ड चैंपियनशिप का टिकट हासिल किया है। फाइट्स के दौरान मैंने बस उनकी शक्तियों को सही दिशा दी। मेरी दिशा पर खेलते हुए बच्चों ने पदक हासिल किए हैं। अब हमारा पूरा ध्यान वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए लक्ष्य मिशन 'तिरंगा' पर है।

एएसपी ने किया अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

संवाददाता

टिहरी। अपर पुलिस अधीक्षक ने कोतवाली का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण कर हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी के निर्देश दिये। अपर पुलिस अधीक्षक टिहरी द्वारा कोतवाली नई टिहरी का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा थाना परिसर के मालखाना, शस्त्रागार, अभिलेख/रजिस्टर, सीसीटीएनएस प्रणाली, मैस व्यवस्था तथा थाना परिसर की स्वच्छता का गहन एवं क्रमबद्ध परीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय सीसीटीएनएस के अंतर्गत विभिन्न पोर्टलों को एसएचओ डैशबोर्ड के माध्यम से जांचते हुए डाटा की अद्यतन स्थिति, प्रविष्टियों की शुद्धता एवं ऑनलाइन प्रक्रियाओं के प्रभावी अनुपालन का मूल्यांकन किया गया। साथ ही हिस्ट्रीशीटर एवं मफरूर रजिस्टर का अवलोकन कर अपराध नियंत्रण एवं निगरानी से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा शस्त्रों की सुरक्षित हैंडलिंग, रख-रखाव एवं उपयोग की प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई तथा कर्मियों को मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त क्राइम किट बॉक्स की उपलब्धता, रख-रखाव एवं वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन में उसके प्रभावी उपयोग पर भी चर्चा की गई और विवेचनाओं में फॉरेंसिक दृष्टिकोण को और अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया गया। निरीक्षण के दौरान उप निरीक्षक/विवेचकों को वर्ष 2025 तक की समस्त लंबित विवेचनाओं एवं जांच प्रार्थना-पत्रों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए।

मैरी कॉम: पारिवारिक रिंग में बॉक्सिंग

●देवेन्द्र कुमार बुडाकोटी

भारत की महान महिला मुक्केबाज मैरी कॉम खेल से संन्यास लेने के बाद भी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस बार चर्चा का कारण बॉक्सिंग रिंग में उनकी उपलब्धियाँ नहीं, बल्कि अपने पति के साथ वैवाहिक कलह को लेकर सोशल मीडिया और टेलीविजन पर हुआ सार्वजनिक खुलासा है। लगभग दो दशकों के विवाह-जिससे पहले चार वर्षों का प्रेम-संबंध रहा-और तीन बच्चों के माता-पिता बनने के बाद, इस दंपति ने वर्ष 2023 में तलाक ले लिया। हालांकि, अलगाव के वर्षों बाद भी एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप सार्वजनिक मंच पर फिर से उभर आए हैं।

एक व्यापक रूप से देखे गए टेलीविजन साक्षात्कार में मैरी कॉम ने आरोप लगाया कि उनके पति का किसी अन्य के साथ संबंध था और उन्होंने वित्तीय अनियमितताएँ कीं, जिनमें उनकी कमाई और बचत का दुरुपयोग भी शामिल है। इसके जवाब में उनके पति ने भी सार्वजनिक रूप से पलटवार करते हुए उन पर बेवफाई के आरोप लगाए और उनकी निष्ठा पर सवाल उठाए। इन खुलासों ने तीखी सार्वजनिक बहस और मीडिया की गहन निगरानी को जन्म दिया है।

तलाक के वर्षों बाद इन मुद्दों को सार्वजनिक रूप से उठाने के पीछे के कारण स्पष्ट नहीं हैं। फिर भी, "पारिवारिक रिंग" में हो रही यह बॉक्सिंग लोगों का ध्यान खींच रही है, जहाँ दर्शक सोशल मीडिया पर एक-दूसरे पर किए जा रहे हर मौखिक प्रहार को उत्सुकता से देख रहे हैं। आरोपों का दायरा बेवफाई, वित्तीय कदाचार, शराब की आदतों, नैतिक प्रश्नों, राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं और पारिवारिक मामलों तक फैला हुआ है-ऐसे मुद्दे जो उनके बढ़ते बच्चों को भी प्रभावित कर सकते हैं।

वित्तीय कुप्रबंधन, कथित बेवफाई, नशे की लत और पति की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को वैवाहिक कलह के कारणों के रूप में बताया जा रहा है। हालांकि, आलोचकों का मानना है कि ऐसे मामलों को सार्वजनिक मंच पर लाने के बजाय निजी तौर पर सुलझाया जा सकता था। विशेष रूप से यह आरोप कि पति पत्नी की आय पर निर्भर थे और उनकी प्रसिद्धि का उपयोग राजनीतिक संबंध बनाने में किया, समाज में अत्यंत नुकसानदेह माना जाता है। भारतीय समाज में ऐसे आरोपों से गहरी सामाजिक बदनामी जुड़ी होती है, क्योंकि पारंपरिक मान्यताएँ अब भी पुरुषों से मुख्य कमाने वाले की भूमिका की अपेक्षा करती हैं। ऐतिहासिक और समकालीन उदाहरण-जहाँ बेटियों की कमाई पर निर्भर रहने वाले पिताओं का मजाक उड़ाया गया-इस सामाजिक संवेदनशीलता की गहराई को दर्शाते हैं।

विडंबना यह है कि मैरी कॉम पर पहले ही एक बायोपिक बन चुकी है, और ये घटनाक्रम मानो "फिल्मी मसाले" से भरपूर उसके एक संभावित सीक्वल की सामग्री प्रदान कर रहे हों, जिससे सार्वजनिक गपशप को और बल मिल रहा है। किंतु सनसनीखेज पहलुओं से परे, यह प्रकरण तलाक, बच्चों के कल्याण, और भारतीय समाज में पारिवारिक संरचनाओं, रिश्तेदारी संबंधों तथा सामाजिक नेटवर्क पर पड़ने वाले दबाव जैसे गहरे समाजशास्त्रीय प्रश्न भी उठाता है।

मैरी कॉम का जीवन-संघर्ष आज भी प्रेरणादायी है-साधारण पृष्ठभूमि से उठकर, शैक्षणिक कठिनाइयों को पार करते हुए, विपरीत परिस्थितियों में खेल में उत्कृष्टता प्राप्त कर राष्ट्रीय प्रतीक बनना। उन्हें अनेक पुरस्कार और सम्मान मिले, जिनमें राज्यसभा सदस्य के रूप में नामांकन भी शामिल है। अपने इस सफर में उनके पति-जो प्रारंभ में उनके मित्र थे-कठिन समय में उनके साथ खड़े रहे। इसलिए दो दशकों के विवाह के बाद उनका अलगाव एक कड़वा स्वाद छोड़ जाता है।

भारतीय सामाजिक "जूरी" संभवत: मैरी कॉम के प्रति कठोर रुख अपनाएगी। कई लोग यह तर्क दे सकते हैं कि यदि अलगाव अपरिहार्य भी था, तो उसे गरिमा के साथ, सार्वजनिक रूप से "घर की गंदी बातें" उछाले बिना संभाला जाना चाहिए था। भारतीय संस्कृति में पारिवारिक मामलों को निजी रखना परंपरागत रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। यद्यपि घरेलू हिंसा दंडनीय अपराध है, फिर भी दुर्व्यवहार, विषाक्तता और संघर्ष से जुड़े अनेक मुद्दे परिवार की प्रतिष्ठा, बच्चों के भविष्य और मानसिक स्वास्थ्य के नाम पर अक्सर छिपा दिए जाते हैं।

हालाँकि भारत में तलाक की दरें बढ़ रही हैं, फिर भी तलाक अभी सामाजिक रूप से सामान्य नहीं हुआ है और उससे जुड़ा कलंक व भेदभाव-विशेषकर महिलाओं के लिए-अब भी बना हुआ है। जब सार्वजनिक हस्तियाँ इसमें शामिल होती हैं, तो मामला और भी बढ़ जाता है, क्योंकि उनसे स्थिर पारिवारिक जीवन और सामाजिक जिम्मेदारी का आदर्श प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है।

(लेखक एक समाजशास्त्री हैं और विकास क्षेत्र में चार दशकों से अधिक समय तक कार्य कर चुके हैं।)

नगर पंचायत में सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए डीएम की बैठक

हमारे संवाददाता

चम्पावत। जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में नव सृजित नगर पंचायत पाटी की प्रशासनिक एवं जनहितकारी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में नगर पंचायत क्षेत्र में आवश्यक आधारभूत सुविधाओं, कार्यालयीन ढांचे, मानव संसाधन तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पाटी नगर पंचायत में सुचारु प्रशासनिक कार्य संचालन हेतु आवश्यक भवन, कार्यालय, फर्नीचर एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं हेतु शीघ्र कार्यवाही की जाएं। उन्होंने कहा कि नव सृजित नगर पंचायत का मुख्य उद्देश्य आम जनता को उनके घर के निकट गुणवत्तापूर्ण प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराना है, इसलिए किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने ग्रामीण निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए कि अधिशासी अधिकारी कार्यालय, चेयरमैन कार्यालय सहित सभी प्रस्तावित भवनों का निर्माण दिव्यांगजन अनुकूल (दिव्यांग फ्रेंडली) किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने सभी संबंधित स्टेकहोल्डर्स से समन्वय स्थापित कर मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी हेतु उपयुक्त भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर पंचायत क्षेत्र में एबीसी सेंटर (पशु जन्म नियंत्रण केंद्र), रजत जयंती पार्क, तथा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू करने की योजना तैयार करने पर भी जोर दिया, ताकि स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के साथ नागरिक सुविधाओं में भी सुधार हो सके।

बैठक में अपर जिलाधिकारी श्री कृष्णनाथ गोस्वामी, उपजिलाधिकारी नीतू डागर, वरिष्ठ कोषाधिकारी सीमा बंगवाल, अधिशासी अधिकारी कमल मेहता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कायस्थ वोट तोड़ सकती है भाजपा

हरिशंकर व्यास

नितिन नबीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से देश की राजनीति पर कोई असर हो या नहीं हो लेकिन पश्चिम बंगाल की राजनीति में इसके असर की चर्चा शुरू हो गई है। ध्यान रहे नितिन नबीन कायस्थ हैं और कायस्थों की मौजूदगी पूर्वी भारत के राज्यों में ही है। बिहार, झारखंड के अलावा पश्चिम बंगाल और ओडिशा में ठीक ठाक संख्या में कायस्थ हैं। आबादी कम होने के बावजूद कायस्थ इन राज्यों की राजनीति को किसी न किसी रूप में प्रभावित करते रहते हैं। बीजू पटनायक और उनके बेटे नवीन पटनायक का लंबे समय तक ओडिशा में राज रहा है। बिहार में भी महामाया प्रसाद सिन्हा बिहार के मुख्यमंत्री रहे हैं। पश्चिम बंगाल में ज्योति बसु का सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड है। अभी पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और उससे पहले नितिन नबीन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। बिहार के ही मंगल पांडेय वहां के प्रभारी हैं। सो, बंगाल के चुनाव को यह घटनाक्रम निश्चित रूप से किसी न किसी स्तर पर प्रभावित करेगा।

ध्यान रहे पश्चिम बंगाल का भद्रलोक कायस्थ और ब्राह्मणों से मिल कर ही बना है। भद्रलोक आमतौर पर बंगाल की कला, संस्कृति, परंपरा इत्यादि का पोषक होता है। वह समझता है कि बंगाली अस्मिता की रक्षा का भार उसके कंधे पर है। इसलिए वह आमतौर पर भाजपा को वोट नहीं करता है। पहले कम्युनिस्ट पार्टियों को और अब ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस को उनका समर्थन मिलता है। भद्रलोक के अलावा जो दूसरा वर्ग है वह छोटोलोक का है। इस छोटोलोक का वोट मोटे तौर पर भाजपा को मिलता है। पश्चिम बंगाल की दलित आबादी करीब 18 फीसदी और आदिवासी आबादी छह फीसदी है। इसका बड़ा हिस्सा भाजपा के साथ जाता है। उत्तरी बंगाल के आदिवासी बहुल इलाकों में तो भाजपा बहुत मजबूत है।

इस बार भी भाजपा को उम्मीद है कि दलित, आदिवासी और पिछड़ी जातियों के बड़े हिस्से का वोट उसको मिलेगा। उसे भद्रलोक में ममता बनर्जी के वोट में सेंध लगानी है। ब्राह्मण हो सकता है कि ममता बनर्जी को नहीं छोड़ें लेकिन नितिन नबीन के जरिए भाजपा कायस्थ वोट तोड़ सकती है। हालांकि ममता बनर्जी के पास शत्रुघ्न सिन्हा के रूप में एक काट है। शत्रुघ्न सिन्हा ओरिजिनल बिहारी बाबू हैं और अस्मिता की राजनीति में वे किसी भी कायस्थ या बिहारी नेता से बड़े ठहरते हैं। वे पश्चिम बंगाल की आसनसोल सीट से दूसरी बार सांसद का चुनाव जीते हैं। अभी वे पूरी तरह से सक्रिय भी हैं। आमतौर पर विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को किसी की जरुरत नहीं होती है। लेकिन अगर इस बार जरुरत पड़ी तो शत्रुघ्न सिन्हा भी हैं और कीर्ति आजाद भी हैं। कीर्ति आजाद क्रिकेटर रहे हैं, बिहार के हैं और मैथिली ब्राह्मण हैं। वे वर्धमान की सीट से तृणमूल कांग्रेस के सांसद हैं। इस बार भाजपा की ओर से नितिन नबीन और मंगल पांडेय तो ममता बनर्जी की ओर से शत्रुघ्न सिन्हा और कीर्ति आजाद भी मैदान में होंगे।

असम और पश्चिमी बंगाल में विधानसभा चुनावों की सुगबुगाहट बढ़ी।

अजय दीक्षित

देश के दो बड़े सीमांत प्रदेशों में 2026 के पहले छह माह में विधानसभा चुनाव है। प्रदेशों में विधानसभा चुनाव प्राय महत्वपूर्ण ही होते हैं क्योंकि भारत की संघीय व्यवस्था में राज्यों के पास , वित्त, विदेश, संचार, सुरक्षा को छोड़कर सभी प्रकार के अधिकार होते हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय राज्यों को केंद्र सरकार की ओर से देखता है। इसलिए राज्य विधानसभा चुनाव बहुत गंभीर विषय राजनीतिक दलों के लिए होता है। राज्यसभा सदस्य भी इन्हीं विधानसभा सदस्यों द्वारा चुने जाते हैं।2026 में असम, पश्चिमी बंगाल, केरल, तमिलनाडू, और पुद्दुचेरी में विधानसभा चुनाव होंगे।

कांग्रेस के लिए ये चुनाव, विशेष कर राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, सोनिया गांधी, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैंइन विधानसभा चुनावों के परिणाम से 2029 का रास्ता भी खुलेगा । भारतीय जनता पार्टी को असम में दस साल की सत्ता विरोधी लहर से भी निपटना है।जबकि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का मिथक तोड़ना है।

भारतीय जनता पार्टी के लिए इन चुनावों को इस दृष्टि से भी देखा जा सकता है कि दोनों राज्यों में मुस्लिम 28 से 35 फीसदी मतदाता हैं जो देश में सर्वाधिक है ।असम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला बहुत ही रोचक होगा ।असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा ने चुनाव को लेकर जो बयान दिए हैं वे ऐसा लगता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच है।अभी हाल में एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि वह उस तबके से बोट ही मांगेगे जो मुस्लिम है। उन्होंने तो यहां तक कहा है कि यद्यपि भारत सरकार और राज्य सरकार की योजनाएं सभी के लिए बराबर लेकिन फिर भी भारतीय जनता पार्टी पर असम के मुस्लिम नेता हिन्दू तुष्टिकरण का आरोप लगाते हैं। हेमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि बांग्लादेश से चकमा मुस्लिम घुसपेठ ने 70 वर्षों में असम की डेमोग्राफी बदल दी है। कुलमिलाकर असम का और बंगाल विधानसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी के लिए आइडियोलॉजी के लिए भी लड़े जा रहे हैं।

असम में कांग्रेस नेता गौरव गोगई ने भी चुनाव को लेकर राजनीतिक यात्राएं शुरू कर दी है। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों ने चुनाव प्रभारियों की घोषणा कर दी है। कांग्रेस की ओर से प्रियंका गांधी को प्रभार दिया है जबकि भारतीय जनता पार्टी की ओर से भूपेंद यादव , देखेंगे।

ब्लश लगाते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान, लगेगा बेहतरीन

ब्लश एक ऐसा मेकअप का सामान है, जो चेहरे को ताजगी और चमक देता है। सही तरीके से ब्लश लगाने पर आपका चेहरा निखरा हुआ और स्वस्थ दिखता है। हालांकि, कई बार गलत तरीके से ब्लश लगाने पर चेहरा ज्यादा बनावटी दिख सकता है। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जरूरी बातें बताने जा रहे हैं, जिनका ध्यान रखकर आप अपने चेहरे पर ब्लश को सही तरीके से लगा सकते हैं और आपका लुक बेहतरीन लगेगा।

सही ब्रश का चयन करें

ब्लश लगाने के लिए सही ब्रश का चयन बहुत जरूरी है। मुलायम और चौड़े ब्रश का उपयोग करें ताकि ब्लश आसानी से फैल सके। छोटे और पतले ब्रश से ब्लश लगाने से चेहरे पर धारियां पड़ सकती हैं, जो अच्छा नहीं लगता। इसके अलावा ब्रश को हल्का-हल्का दबाते हुए गालों पर लगाएं ताकि रंग एकसमान फैले और आपका चेहरा निखरा हुआ दिखे। सही ब्रश से आपका लुक और भी खूबसूरत लगेगा।

रंग का चयन ध्यान से करें

ब्लश का रंग चुनते समय अपनी त्वचा के रंग पर ध्यान दें। अगर आपकी त्वचा गोरी है तो हल्के गुलाबी या पीच रंग के ब्लश अच्छे लगेंगे। अगर आपकी त्वचा गहरी है तो भूरे या कोरल रंग के ब्लश चुनें। इसके अलावा अपने मेकअप के बाकी हिस्सों के साथ मेल खाते हुए रंग का चयन करें ताकि आपका लुक संतुलित और आकर्षक लगे। सही रंग का चयन आपके चेहरे को निखरा हुआ और ताजगी भरा दिखाएगा।

सही जगह पर लगाएं

ब्लश लगाने की जगह बहुत अहम होती है। इसे गालों के ऊपर वाले हिस्से पर लगाएं और हल्के हाथों से फैलाएं। इसके लिए सबसे पहले मुस्कराएं ताकि गाल उभरे हुए हिस्से को पहचानना आसान हो सके, फिर

वहां ब्लश लगाएं। इससे आपका चेहरा ताजगी भरा और स्वस्थ दिखेगा। इसके अलावा ध्यान रखें कि ब्लश समान रूप से फैले ताकि कोई धारियां न पड़ें और आपका लुक बेहतरीन लगे। सही जगह पर ब्लश लगाने से आपका चेहरा निखरा हुआ दिखेगा।

मात्रा का ध्यान रखें

ब्लश लगाते समय मात्रा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। ज्यादा ब्लश लगाने से चेहरा बनावटी दिख सकता है इसलिए थोड़ी मात्रा में ही इसका उपयोग करें। पहले थोड़ा सा ब्लश लें और उसे हल्के हाथों से गालों पर लगाएं, फिर अगर जरूरत महसूस हो तो थोड़ा और लें। इस तरह आप अपने चेहरे पर संतुलित मात्रा में ब्लश लगा पाएंगे और आपका लुक प्राकृतिक और आकर्षक रहेगा। इससे आपका चेहरा निखरा हुआ दिखेगा।

मौसम और अवसर पर ध्यान दें

ब्लश लगाते समय मौसम और अवसर पर भी ध्यान दें। गर्मियों में हल्का गुलाबी या पीच रंग का ब्लश बेहतर रहेगा क्योंकि यह ताजगी भरा महसूस कराएगा। सर्दियों में गहरे रंग जैसे भूरे या कोरल चुनें ताकि आपका चेहरा निखरा हुआ दिखे। किसी खास मौके पर ज्यादा चमकदार या शिमरी ब्लश चुन सकते हैं, जो आपके लुक को और भी खास बनाएगा। इस तरह आप हर मौसम और अवसर के अनुसार सही ब्लश चुन सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य -015

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

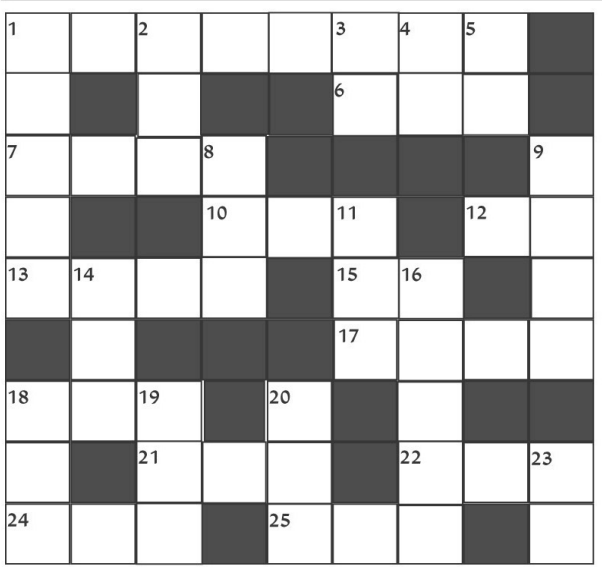

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 14 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 की नई रिलीज डेट आई सामने

मर्दानी 3 इस साल की मोस्ट अवेटिड फिल्मों में से एक हैं। फैंस इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे मगर अब ये इंतजार ज्यादा दिन का नहीं होने वाला है। रानी मुखर्जी एक बार फिर सुपरकॉप शिवानी शिवाजी रॉय बनकर वापसी कर रही हैं। रानी मुखर्जी को बड़े पर्दे पर देखना शानदार होगा। मेकर्स ने मर्दानी 3 की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट कर दी है। इसके साथ ही फिल्म का नया पोस्टर भी रिलीज किया है। पोस्टर में रानी मुखर्जी भारत में लापता हुईं लड़कियों को ढूंढती नजर आ रही हैं। उनका इस बार अंदाज बिल्कुल पहले की तरह ही है। बस इस बार एक्शन और ज्यादा नजर आएगा। यशराज फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करके जानकारी दी है कि फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। उन्होंने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा- वो तब तक नहीं रुकेगी, जब तक वह उन सभी को बचा नहीं लेती ! रानी मुखर्जी निडर पुलिस ऑफिसर शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में मर्दानी 3 में वापस आ रही हैं। बचाव अभियान 30 जनवरी को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में शुरू होगा। बता दें मर्दानी 3 पहले सिनेमाघरों में 27 फरवरी को रिलीज होने वाली थी। मगर अब इस फिल्म को जल्दी रिलीज किया जा रहा है। फिल्म की रिलीज डेट पहले आने से फैंस बहुत एक्साइटेड हैं और पोस्टर देखकर ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। यशराज ने जो पोस्टर शेयर किया है उस पर फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा-रानी इज बैक। वहीं दूसरे ने लिखा- फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। एक ने लिखा- फाइनली। मर्दानी 3 को अभिराज मीनावाला ने डायरेक्ट किया है और इसे प्रोड्यूस आदित्य चोपड़ा ने किया है। फिल्म को लेकर लोगों में काफी एक्साइटमेंट देखने को मिल रहा है।

ओ रोमियो का फर्स्ट लुक आया सामने, 13 फरवरी रिलीज होगी फिल्म

शाहिद कपूर की मच अवेटेड फिल्म ओ रोमियो का फर्स्ट लुक आज सामने आ गया है। इस पहले लुक में शाहिद काफी खूंखार अंदाज में नजर आ रहे हैं। लाल रंग के बैकग्राउंड में शाहिद का चेहरा खून से लथपथ दिख रहा है। वहीं वो जोश में चीखते दिख रहे हैं। पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि शाहिद और विशाल भारद्वाज एक बार फिर कमीने जैसा कुछ अलग लाने वाले हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने ये भी साफ कर दिया है कि फिल्म की पहली झलक या टीजर कल सामने आएगा। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही फैंस फिल्म की झलक पाने के लिए बेकरार थे। अब शाहिद कपूर के इस पहले पोस्टर को ही देखकर फैंस उत्साहित हो गए हैं। पोस्टर में शाहिद का खूंखार अंदाज तो दिख ही रहा है, जिसमें उनके हाथ पर बना टैटू और कई ब्रेसलेट लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। इस पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि शाहिद एक और विशाल भारद्वाज मिलकर एक बार फिर कुछ अलग और नया करने वाले हैं। ये शाहिद और विशाल की साथ में चौथी फिल्म है। इससे पहले दोनों कमीने, हैदर और रंगून साथ में कर चुके हैं। इनमें कमीने और हैदर बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थीं और क्रिटिक्स ने भी इन्हें जमकर सराहा था। वहीं पिछली तीनों ही फिल्मों में विशाल भारद्वाज ने शाहिद को एक बिल्कुल ही अलग अंदाज में दिखाया है। ऐसा लगता है कि एक बार फिर विशाल, कुछ अलग अंदाज में ही शाहिद को पेश करने वाले हैं। ओ रोमियो का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है। जबकि फिल्म को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में एक दमदार स्टारकास्ट नजर आएगी, जो लोगों का ध्यान खींच रही है। इस भारी भरकम स्टारकास्ट में शाहिद कपूर के अलावा नाना पाटेकर, तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, विक्रांत मैसी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी, अरुणा ईरानी और फरीदा जलाल जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। फिलहाल अभी तक फिल्म की कहानी के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। अब दर्शकों को 13 फरवरी का इंतजार है, जब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

तापसी पन्नू को पैसे नहीं, पहचान की भूख

बॉलीवुड की बेबाक अभिनेत्रियों में शुमार तापसी पन्नू ने फिर फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान और संघर्ष पर खुलकर बात की है। एक ताजा इंटरव्यू में तापसी ने साफ कर दिया कि वो यहां किसी की फोटो कॉपी बनने नहीं आई हैं, बल्कि अपनी एक ऐसी राह बनाने आई हैं, जिस पर चलने की हिम्मत कम ही लोग जुटा पाते हैं। तापसी ने साफ कहा कि वो उन फिल्मों को तवज्जो नहीं देतीं, जो उनका बैंक अकाउंट भरती हों।

फिल्म इंडस्ट्री में एक बाहरी कलाकार के तौर पर अपने सफर और सबसे बड़ी सीख के बारे में बात करते हुए तापसी ने बेहद गहराई से अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि इस ग्लैमरस दुनिया में अपनी जगह बनाना कभी आसान नहीं रहा और ना ही कभी होगा। जब उनसे पूछा गया कि बाहरी होने के नाते उन्होंने क्या सीखा तो उन्होंने सीधा जवाब दिया, यही कि यह सफर कभी आसान नहीं होगा।

तापसी बोलीं, अगर आप वो चीज पाना चाहते हैं, जो पहले किसी को नहीं मिली तो आपको वह करना होगा, जो पहले किसी ने नहीं किया। मुझे ये याद रखना है कि मेरा काम भविष्य की पीढ़ियों के लिए है। मैं जो कुछ भी करती हूं, उसे अपने जीवन के हर पड़ाव पर गर्व के साथ अपना सकूं, यही मेरी कोशिश रहती है। मैं यहां किसी की नकल बनने नहीं आई हूं। मैं अपनी शर्तों पर काम करती हूं।

तापसी बोलीं, अगर मैं किसी और की नकल करूंगी तो मैं उसकी कॉपी बनकर रह जाऊंगी। हर किसी को एक अनूठा व्यक्तित्व मिला है। मुझे अपनी खुद की पहचान तलाशनी है, क्योंकि एक स्थायी प्रभाव छोड़ने का यही सबसे अच्छा तरीका है। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें एहसास हुआ कि वो उन फिल्मों में बेहतर काम करती हैं, जहां उनका दिल और दिमाग पूरी तरह से उस किरदार के साथ जुड़ा हो, जिसे वो पर्दे पर जी रही होती हैं।

तापसी के मुताबिक, जब कलाकार खुद उस प्रोजेक्ट से जुड़ा महसूस करता है, तभी उसका दर्शकों के साथ एक गहरा जुड़ाव बन पाता है। अब तापसी केवल अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनती हैं। वो उन फिल्मों को नहीं चुनतीं, जो उनके बैंक अकाउंट को भरें, बल्कि वो फिल्में चुनती हैं, जो बतौर कलाकार उनकी क्षमताओं को चुनौती दें। तापसी बोलीं, मैं पैसों के पीछे नहीं भागती। मेरा मकसद नया रास्ता बनाना है, जिस पर अक्सर लोग चलने से कतराते हैं। तापसी जल्द ही फिल्म गांधारी में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है। कनिका ढिल्लों द्वारा निर्देशित और लिखित यह फिल्म एक मां-बच्चे के भावनात्मक रिश्ते पर आधारित है। मुल्क 2, वो लड़की है कहां और हसीन दिलरूबा 3 भी तापसी के पास हैं

एक वीडियो कॉल ने बदल दी नायरा बनर्जी की फिल्मी दुनिया

अभिनेत्री नायरा बनर्जी अपनी आने वाली फिल्म वन टू चा चा चा को लेकर काफी चर्चाओं में है। यह फिल्म कॉमेडी, अफरातफरी और किरदारों से भरपूर मनोरंजन का जबरदस्त पैकेज है। इस फिल्म में अभिनेता आशुतोष राणा लीड रोल में हैं। नायरा बनर्जी ने अपनी फिल्म, अनुभव और अभिनय सफर के बारे में खुलकर बात की। नायरा बनर्जी ने कहा, फिल्म की कहानी सुनते ही मैंने तुरंत इसका हिस्सा बनने की ठान ली थी। निर्देशक और लेखक अभिषेक ने मुझे वीडियो कॉल के जरिए पूरी कहानी सुनाई। उस समय मैं दुबई में थी, उन्होंने करीब दो घंटे तक कहानी इतनी ऊर्जा, भाव और उत्साह के साथ सुनाई कि मेरे होश उड़ गए। मुझे कहानी की हर बारीकी और भावना को समझाया। उसी वक्त मैंने तय कर लिया कि मुझे यह फिल्म करनी है। फिल्म के कास्ट के बारे में नायरा बनर्जी ने कहा, जब मैंने जानना चाहा कि कौन-कौन इसमें काम कर रहा है, तो मेरे लिए सबसे ज्यादा चौंकाने वाला नाम आशुतोष राणा था, जो चाचा के रोल में थे। मैंने उन्हें हमेशा गंभीर और सशक्त किरदारों में देखा है; ऐसे में इस नई भूमिका में उन्हें देखना बिल्कुल नया और ताजगी भरा अनुभव लगा।

उन्होंने कहा, मुकेश तिवारी, अभिमन्यु सिंह, आनंद जोशी, ललित प्रभाकर और हर्ष मायर जैसे अनुभवी कलाकारों के साथ काम करना चुनौतीपूर्ण लेकिन सीखने वाला रहा। मेरे ज्यादातर सीन अभिमन्यु सिंह और आशुतोष राणा के साथ थे, जिनके सामने अपनी एक्टिंग बनाए रखना आसान नहीं था।

नायरा बनर्जी ने अपने किरदार की खासियत के बारे में बताते हुए कहा, शूटिंग के पहले दिन से ही मुझे डांस करने का मौका मिला। मेरा डांस शेड्यूल कई दिनों तक चला। फिल्म का यह गाना इश्क ढिशूम अब ट्रेंड कर रहा है और लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इसका ऐसा जबरदस्त रिस्पॉन्स मिलेगा।

नायरा बनर्जी ने आशुतोष राणा के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए कहा, मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती बिहारी एक्सेंट था। मैंने पहले ऐसा रोल कभी नहीं किया था। लेकिन आशुतोष के साथ रोमांटिक सीन करते समय उस एक्सेंट में काम करना मेरे लिए बेहद मजेदार और प्यारा अनुभव साबित हुआ। सेट पर हर वक्त मजेदार माहौल रहता था। कोई ना कोई हमेशा मजाक करता रहता था और सभी एक-दूसरे की एक्टिंग देखकर हंसते रहते थे। कभी-कभी मुझे मुंह पर हाथ रखना पड़ता था ताकि शूटिंग के दौरान हंसी ना फूटे।

प्रगति पोर्टल: भारत की डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना को तेज़ी से आगे बढ़ाने वाला एक गेम चेंजर

आर.के जैन

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) परियोजना आज़ादी के बाद शुरू की गई सबसे महत्वाकांक्षी रेल अवसंरचना योजनाओं में से एक है। इसका उद्देश्य माल ढुलाई के लिए उच्च क्षमता और आधुनिक तकनीक से लैस विशेष रेल कॉरिडोर तैयार करना है। इस परियोजना के माध्यम से भारतीय रेल तेज़, सुरक्षित, भरोसेमंद और कम लागत वाली लॉजिस्टिक सेवाएं देकर माल परिवहन के क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी दोबारा बढ़ाना चाहती है। साथ ही, इस परियोजना से मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्कों के विकास को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी और पूरी आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता में सुधार होगा।

करीब ?1.2 लाख करोड़ से अधिक की अनुमानित लागत और 2843 किलोमीटर की कुल लंबाई वाली डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना के दो मुख्य हिस्से हैं=

पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर(ईडीएफसी)=

यह 1337 किलोमीटर लंबा है। यह कॉरिडोर पंजाब के लुधियाना स्थित साहनेवाल से लेकर बिहार के सोननगर तक जाता है और पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा बिहार राज्यों से होकर गुजरता है।

पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी)=

यह 1506 किलोमीटर लंबा है। यह उत्तर प्रदेश के दादरी से लेकर मुंबई के पास जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) तक फैला हुआ है। यह हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश राज्यों से होकर गुजरता है। कुल मिलाकर, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) का मार्ग 7 राज्यों और 56 जिलों से होकर गुजरता है। यह जंगलों, वन्यजीव अभयारण्यों, मैंग्रोव क्षेत्रों और क्रीक इलाकों से भी होकर जाता है, जिससे इस परियोजना का निर्माण कार्य स्वाभाविक रूप से जटिल हो जाता है।

समय पर पूरा होने में आने वाली चुनौतियां

हालांकि इस परियोजना की शुरुआत 2008 में हुई थी, लेकिन कई बाधाओं के कारण कई वर्षों तक काम की गति धीमी रही। मुख्य चुनौतियां इस प्रकार थीं=

लगभग 11,000 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण, जिसमें अवैध कब्जे और बने हुए ढांचों को हटाना शामिल था। वन भूमि, वन्यजीव अभयारण्यों, मैंग्रोव क्षेत्रों, पेड़ों की कटाई और क्रीक (नाले) पार करने से जुड़े कानूनी अनुमतियां प्राप्त करना। 900 से अधिक लेवल क्रॉसिंग को खत्म करने के लिए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) का निर्माण, जिनके लिए संयुक्त नक्शा स्वीकृति और रास्तों के लिए भूमि अधिग्रहण आवश्यक था। हाई टेंशन बिजली लाइनों, गैस और तेल पाइपलाइनों को स्थानांतरित करना।

रक्षा विभाग, एनएचएआई, राज्य राजमार्ग प्राधिकरणों, सिंचाई विभाग से नहर पार करने की अनुमति और मिट्टी उधार लेने की स्वीकृति।

कोविड के बाद ठेकेदारों पर पड़ा आर्थिक दबाव, जिससे नकदी की कमी हुई। निर्माण के लिए बिना किसी बाधा वाली भूमि उपलब्ध न होने से कार्य समय-सारिणी पर गंभीर असर पड़ा और परियोजना पर संभावित दावों का खतरा भी बढ़ गया।

प्रगति पोर्टल-निर्णायक मोड़

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से शुरू किया गया प्रगति पोर्टल डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) परियोजना के लिए एक अहम मोड़ साबित हुआ। इस पोर्टल के माध्यम से डीएफसी के अधिकारियों ने लंबे समय से लंबित समस्याओं को पूरे दस्तावेज़ों के साथ अपलोड किया। प्रगति पोर्टल की सबसे बड़ी ताकत इसकी पारदर्शिता और जवाबदेही थी। संबंधित मंत्रालयों, राज्य सरकारों और विभागों को यह साफ़ पता था कि कार्य की प्रगति पर सबसे ऊंचे स्तर पर, स्वयं माननीय प्रधानमंत्री द्वारा भी, निगरानी की जा रही है। जो मुद्दे वर्षों तक लगातार प्रयासों के बावजूद अटके रहे थे, वे कुछ ही हफ्तों में, और कई मामलों में तो कुछ दिनों के भीतर ही, सुलझा लिए गए। जहाँ तुरंत समाधान संभव नहीं था, वहाँ विभागों ने निश्चित समय-सीमा तय की और उसका सख्ती से पालन किया गया।

शासन और जवाबदेही की नई संस्कृति

प्रगति पोर्टल एक अत्यंत प्रभावी मंच के रूप में सामने आया, जिसके माध्यम से=

परियोजनाओं की रियल-टाइम निगरानी संभव हुई

समस्याओं को एक साथ कई स्तरों तक तुरंत पहुँचाया जा सका

एक ही मंच से मंत्रालयों और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय हो पाया डीएफसी परियोजना में भी इसी तरह की एक आंतरिक निगरानी व्यवस्था लागू की गई। बड़े ठेकों की साप्ताहिक समीक्षा, नियमित स्थल निरीक्षण और तय किए गए लक्ष्यों की लगातार निगरानी सामान्य प्रक्रिया बन गई। चूंकि पोर्टल पर डाली गई सभी समय-सीमाएं दर्ज रहती थीं, इससे परियोजना टीम के भीतर अपने वादों को पूरा करने की ज़िम्मेदारी और जवाबदेही की भावना भी मज़बूत हुई।

परियोजना क्रियान्वयन पर स्पष्ट प्रभाव

जटिल समस्याओं के तेज़ समाधान से निर्माण कार्य में उल्लेखनीय तेजी आई और बिना बाधा वाली भूमि समय पर उपलब्ध न होने से होने वाले संभावित दावों से संगठन को सुरक्षा मिली। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि प्रगति पोर्टल ने रोज़मर्रा की परियोजना प्रबंधन प्रक्रिया में पारदर्शिता, त्वरित कार्रवाई और जवाबदेही को शामिल करके पूरे शासन तंत्र की कार्यसंस्कृति को ही बदल दिया।

प्रगति पोर्टल आज प्रभावी डिजिटल शासन का एक जीवंत उदाहरण है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर जैसी विशाल परियोजना, जो कई राज्यों, विभागों और नियामक क्षेत्रों से होकर गुजरती है, के लिए प्रगति केवल एक निगरानी उपकरण नहीं रहा, बल्कि बदलाव लाने वाला एक महत्वपूर्ण माध्यम साबित हुआ।तेज़ फैसले सुनिश्चित करके, विभागों के बीच टकराव कम करके और हर स्तर पर जवाबदेही तय करके, प्रगति पोर्टल ने डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना को सफल और समय पर पूरा करने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाई है। साथ ही, इसने भारत की आने वाली अवसंरचना परियोजनाओं के लिए एक नया मानक भी स्थापित किया है।

(लेखक डीएफसीसीआईएल के पूर्व एमडी हैं)

मोदी सरकार ट्रंप को उचित जवाब दे

डॉनल्ड ट्रंप अपनी खामख्यालियों में रहते हैं। आत्म-प्रशंसा में बहते हुए वे अपनी खूबियों का बखान तो करते ही हैं, दूसरों का अपमान करने की हद तक भी अक्सर जाते रहते हैं। इस दौरान वे सच-झूठ की फिक्र नहीं करते। बतौर के अपने दूसरे कार्यकाल में अपमान के तीर उन्होंने जिन निशानों पर बार-बार छोड़े हैं, उनमें भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हैं। दरअसल, भारत के मामले में बात सिर्फ जुबानी तीर की नहीं है। उन्होंने सबसे ज्यादा आयात शुल्क भारतीय वस्तुओं पर लगा कर अमेरिको को निर्यात से जुड़े देश के कारोबार को भारी क्षति पहुंचाई है। इसी तरह एच-1बी वीजा और स्टूटेंड वीजा के मामलों में उनके प्रशासन ने भारत के प्रति बेहद सख्त रुख अपनाए रखा है।

अपने ताजा बयान में जिस तरह उन्होंने मोदी की उनसे मिलने की कथित बेसब्री का जिक्र किया और अपाची हेलीकॉप्टरों के सौदे को लेकर गलतबयानी की, वह सिरे से अस्वीकार्य होना चाहिए। बिना तथ्यों की जांच किए उन्होंने 68 हेलीकॉप्टरों का जिक्र किया, जबकि भारत ने 28 हेलीकॉप्टर खरीदने का सौदा ही किया है और उनकी जल्द डिलीवरी कराने में ट्रंप का कोई योगदान नहीं है। मगर इस पर भी भारत सरकार की तरफ से कोई बयान नहीं आया!

इस चुप्पी के पीछे अगर गणना यह है कि इससे ट्रंप खुश होंगे और भारत से अनुकूल व्यापार समझौता कर लेंगे, तो ऐसी कोई उम्मीद निकट भविष्य में पूरी होती नहीं दिखती। इसलिए अब चुप्पी तोड़ने की जरूरत है।

सू- दोकू क्र.015

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.14 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

डायबिटीज में क्यों नहीं खानी चाहिए गाजर ?

गाजर में ढेर सारे पोषक तत्व होते हैं और ये शरीर में ब्लड की कमी को दूर करने में भी बहुत मदद करती है। यही कारण है कि गाजर को सलाद में खाने की सलाह भी दी जाती है और इसका जूस पीने की भी। लेकिन शुगर के मरीजों के लिए गाजर खाना हानिकारक हो जाता है। क्योंकि गाजर खाने से ब्लड शुगर लेवल अचानक से हाई हो सकता है।।।

डायबिटीज में गाजर क्यों ना खाएं?

इस बात में कोई शक नहीं है कि खून बढ़ाने के साथ ही गाजर पेट को साफ रखने का काम भी करती है, जिससे लिवर और आंते हेल्दी रहते हैं। लेकिन शुगर पेशेंट्स यदि गाजर की सलाद या जूस का सेवन करते हैं तो इनका ब्लड शुगर लेवल अचानक से हाई हो सकता है।

ऐसा इसलिए होता है क्योंकि गाजर में नैचरल शुगर कंटेंट काफी हाई होता है, जिस कारण इसका सेवन करने से ब्लड में शुगर की मात्रा हाई हो जाती है और हम सभी काफी फ्रेश और एनर्जेटिक फील करते हैं। लेकिन यदि डायबिटीज के पेशेंट्स का शुगर लेवल इस तरह से अचानक बढ़ जाए तो यह हेल्थ के लिए बहुत बुरा हो सकता है। इसलिए शुगर पेशेंट्स को कभी भी गाजर का जूस या गाजर की सलाद अधिक मात्रा में नहीं लेने चाहिए।

शुगर में कैसे खाएं गाजर?

आपको गाजर खानी है और आप शुगर के पेशेंट हैं तो इसे खाने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसे मिक्स वेज के रूप में खाएं।

गाजर की सलाद भी मूली, खीरा, ककड़ी इत्यादि के साथ मिलाकर खाएं।

जितना हो सके गाजर का जूस ना ही पिएं। क्योंकि ये शुगर पेशेंट्स को अधिक परेशान करने वाला हो सकता है। क्योंकि इसमें से गाजर का फाइबर तो अलग हो जाता है जबकि स्वीटनेस बढ़ाने के लिए अलग से शुगर और मिलाई जाती है।

वेजिटेबल सूप में गाजर का सेवन करना चाहते हैं तो इसमें भी इसकी मात्रा बहुत कम ही रखें, सिर्फ गार्निशिंग के लिए इसका यूज करें।

वेजिटेबल सूप पीना ही हो तो सबसे पहले ये देख लें कि शुगर के पेशेंट्स के लिए कौन-सी सब्जियां हेल्दी हैं। क्योंकि सभी सब्जियों का सूप शुगर में फायदा देने वाला नहीं होता होता है।

जब भी गाजर खाने का मन हो तो साथ में कच्चा आंवला जरूर खाएं क्योंकि ये ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने का काम करता है। इसलिए गाजर की सलाद या जूस में आंवला जरूर यूज करें।

वेतन न मिलने पर दून अस्पताल के सफाई कर्मी हडताल पर

संवाददाता

देहरादून। वेतन न मिलने पर दून अस्पताल के सफाई कर्मियों ने हडताल कर धरना दिया। आज यहां दून चिकित्सालय में सफाई कर्मियों ने हडताल कर धरना दिया। इस दौरान सफाई कर्मी गंगोत्री, मीनाक्षी, मिथलेश गुडडी, सुमन व पूजा ने बताया कि उनका नवम्बर महीने में एक भी रूपया नहीं मिला। अस्पताल प्रबंधन की ओर से 20 जनवरी तक वेतन देने का आश्वासन दिया गया था लेकिन उनके खाते में वेतन नहीं आया। जिसके चलते वह आज से कार्य बहिष्कार कर दिया। सफाईकर्मियों के हडताल पर चले जाने पर अस्पताल प्रशासन को काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है। वहीं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रविन्द्र सिंह बिष्ट ने बताया कि सफाईकर्मियों के वेतन से जुडी तकनीकी परेशानी को दून करने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही इस परेशानी का समाधान निकाल लिया जायेगा।

चोरी की मोटरसाईकिल के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की मोटरसाईकिल के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बसीवाला झाझरा निवासी विजय ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से सेलाकुई इंडस्ट्री एरिया में आया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल एक कम्पनी के बाहर खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने चैकिंग के दौरान चोरी की मोटरसाईकिल के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम आशीष कुमार पुत्र रघुवीर सिंह निवासी अब्दुलपुर सेलाकुई व सुभान पुत्र रशीद निवासी सेलाकुई बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नया गांव निवासी पदम शाही अपने स्कूटी से बल्लूपुर चौक से कैण्ट की तरफ जा रहे थे तभी पीछे से आ रही कार ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये जिनको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने घायल के बेटे अंकित शाही की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घर में घुसकर मारपीट करने पर आधा दर्जन लोगों पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। घर में घुसकर मारपीट करने पर पुलिस ने आधा दर्जन लोगों पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार द्रोणपुरी निवासी लिजा खान ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि चमन विहार निवासी गीता गुज्जर अपने साथ मोहन सिंह, पार्थिव उर्फ क्रिस, विनोद गुज्जर, दिनेश गुज्जर व अभिषेक गोयल के साथ उसके घर में घुस आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। उसके पति जब उसको बचाने आये तो उनके साथ भी मारपीट की गयी। जब आसपास के लोग वहां पर आये तो वह उसको जान से मारने की धमकी देकर भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शंकराचार्य के साथ दुर्व्यवहार की उच्चस्तरीय जांच की मांग, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। प्रयागराज माघ मेला के दौरान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ प्रशासनिक दुर्व्यवहार तथा ब्राह्मण समाज के विरुद्ध निरंतर हो रहे उत्पीड़न की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर ब्रहामण समाज ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रापति को ज्ञापन भेजा।

आज यहां अखिल भारतवर्षीय ब्रहामण महासभा ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा, उत्तराखंड भारत के संविधान में निहित लोकतांत्रिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा धार्मिक सम्मान की भावना रखता है। हाल के दिनों में यह अत्यंत पीड़ादायक एवं दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रयागराज माघ मेले जैसे पवित्र धार्मिक आयोजन के दौरान जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ प्रशासन द्वारा किया गया व्यवहार न केवल सनातन परंपराओं का अपमान है, बल्कि देश के करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को भी आहत करने वाला है। इस घटना ने संपूर्ण ब्राह्मण समाज को गहरी पीड़ा और आक्रोश में डाल दिया है। इसके अतिरिक्त, यह भी चिंताजनक तथ्य है कि आज निरंतर ब्राह्मण समाज के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणियां, दुर्भावनापूर्ण बयानबाजी तथा लक्षित मानसिक उत्पीड़न सार्वजनिक और प्रशासनिक स्तर पर देखने को मिल रहे हैं। यह स्थिति सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक संतुलन एवं राष्ट्रीय एकता के लिए अत्यंत घातक सिद्ध हो सकती है। 13 जनवरी 2026 को लागू किए गए यूजीसी एक्ट की ओर भी आकृष्ट करना चाहते हैं, जिसे लेकर ब्राह्मण समाज एवं पारंपरिक गुरुकुल, संस्कृत शिक्षण संस्थानों में व्यापक असंतोष एवं आशंकाएं व्याप्त हैं। यह कानून कहीं न कहीं सनातन शिक्षा परंपरा और ब्राह्मण समाज के बौद्धिक भविष्य को समाप्त करने की दिशा में एक सुनियोजित प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इसकी गहन, निष्पक्ष एवं संवैधानिक समीक्षा अत्यंत आवश्यक है। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा, उत्तराखंड आपसे करबद्ध मांग करता है कि प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य के साथ हुई प्रशासनिक कार्रवाई की उच्चस्तरीय, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच करवाई जाए। ब्राह्मण समाज के विरुद्ध हो रहे मानसिक, सामाजिक एवं वैचारिक उत्पीड़न पर सख्त रोक लगाते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। 13 जनवरी 2026 से लागू यूजीसी एक्ट की सर्वसमावेशी समीक्षा कर यह सुनिश्चित किया जाए कि सनातन शिक्षा, गुरुकुल व्यवस्था एवं स्वर्ण समाज के अधिकार सुरक्षित रहें। समाज में सांस्कृतिक जागरण, सामाजिक संतुलन और सनातन मूल्यों के संरक्षण की दिशा में ठोस पहल की जाए। इस अवसर पर मनमोहन शर्मा, उमाशंकर शर्मा, मनोज शर्मा, लालचंद शर्मा, संजय खंडूड़ी, सीताराम नौटियाल, सावित्री शर्मा, गिरीश चंद्र उप्रेती, संदीप चमोली, विजय मंगाई, केशव नौटियाल ,नवनीत कुकरेती, संदीप चमोली, नवनीत कुकरेती ,सुरेंद्र दत्त शर्मा, घनश्याम अभिषेक नौटियाल राकेश थपलियाल, वि डी झा विचित्र सारस्वत ,विवेक मोहन श्रीवास्तव, कपिल गुप्ता ने ज्ञापन दिया।

पुलिस ने चलाया सघन चैकिंग अभियान

संवाददाता

टिहरी। यात्रा सीजन को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने सघन चैकिंग अभियान चलाया।

आज यहां जनपद टिहरी गढ़वाल में सुरक्षा-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल आयुष अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में रात्रि एवं तड़के सुबह से ही व्यापक चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जनपद के प्रत्येक बैरियर, मुख्य मार्ग, बाजार क्षेत्र एवं संवेदनशील स्थानों पर पुलिस को हाई-अलर्ट मोड पर तैनात किया गया है। सभी बैरियर एवं एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स पर सघन चेकिंग वाहनों, व्यक्तियों तथा संदिग्ध सामान का गहन सत्यापन किया जा रहा है। यात्रा के समय आवश्यक दस्तावेज साथ रखें। चेकिंग के दौरान पुलिस का सहयोग करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

दुर्घटनाओं पर लगाम कसने को बड़ा कदम

टैक्सी यूनियन के बीच पहुंची यातायात पुलिस

हमारे संवाददाता

चमोली। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत आज यातायात पुलिस टैक्सी यूनियन गोपेश्वर के वाहन चालकों एवं आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान टैक्सी चालकों एवं उपस्थित नागरिकों को यातायात नियमों का पालन, सुरक्षित एवं संयमित वाहन संचालन, ओवरस्पीडिंग से बचाव, हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य प्रयोग, नशे की हालत में वाहन न चलाने, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा वाहनों के समस्त वैध कागजात पूर्ण रखने के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

बताया कि सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण मानवीय लापरवाही है, जिसे यातायात नियमों के सख्त पालन एवं जागरूकता से काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने टैक्सी चालकों से अपील की कि वे स्वयं नियमों का पालन करें तथा यात्रियों को भी सुरक्षित यात्रा के प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम के अंत में टैक्सी यूनियन गोपेश्वर के पदाधिकारियों एवं उपस्थित आम नागरिकों द्वारा यातायात पुलिस चमोली की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए सड़क सुरक्षा के प्रति पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया। इस दौरान अपर उपनिरीक्षक ललित मोहन जखमोला, कांस्टेबल जोगेन्द्र, कांस्टेबल नीरज भंडारी मौजूद रहे।

चोरी की घटना का खुलासा, नौ लाख की ज्वैलरी के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए चोरी की नौ लाख रूपये की ज्वैलरी के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पवन चन्द निवासी कोटि मोलधार अठूरवाला कोतवाली डोईवाला देहरादून द्वारा कोतवाली डोईवाला पर तहरीर दी कि वह अपने परिवार सहित गांव गये थे, इस दौरान चोरो द्वारा उनके घर के ताले/दरवाजे तोडकर घर से नगदी व ज्वैलरी चोरी कर ली। प्राप्त तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना की गंभीरता के दृष्टिगत एसएसपी द्वारा घटना के खुलासे एंव चोरों की गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक डोईवाला को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कोतवाली डोईवाला में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा घटनास्थल एंव घटनास्थल के आस पास आने जाने वाले रास्तों पर लग सीसीटीवी कैमरों को चैक करते हुए घटना के सम्बंध में घटना के सम्बंध में जानकारियां एकत्रित की गई। पुलिस द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयासों से मुखबिर की सूचना पर गत दिवस एयरपोर्ट तिराहा, जौलीग्रान्ट पर चैकिंग के दौरान घटना को अजांम देने वाले जचिन्द्र नाथ पुत्र कव्वा नाथ निवासी सपेरा बस्ती भानियावाला, तथा गुड्डू नाथ पुत्र राजेन्द्र नाथ उर्फ तारा नाथ निवासी सपेरा बस्ती भानियावाला को गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से घटना में चोरी किया गया शत-प्रतिशत सामान बरामद हुआ। पूछताछ में उनके द्वारा बताया गया कि वह कबाडी का कार्य करते है। उनके द्वारा कबाड़ बीनने के दौरान बंद घरों की रैकी कर उक्त घर को चिन्हित किया गया था तथा मौका देखकर चोरी की घटना को अजांम दिया गया था। घटना में चोरी की गई ज्वेलरी को बेचने की फिराक में थे पर उससे पूर्व ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

चंदन की लकड़ी चोर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। चंदन की लकड़ी चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से चुरायी गयी लकड़ियां बरामद हुई है। हांलाकि मामले में एक अन्य आरोपी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

●पूर्व में भी जा चुका है कई मामलों में जेल, मामले में एक फरार तलाश जारी

जानकारी के अनुसार बीते रोज उमेश चन्द्र डालाकोटी पुत्र स्व. जगदीश चन्द्र डालाकोटी निवासी डालाकोटी कंपाउंड रामपुर रोड हल्द्वानी द्वारा कोतवाली हल्द्वानी में तहरीर देकर बताया गया था कि उनके कंपाउंड से अज्ञात चोर द्वारा चन्दन का पेड़ काटकर कीमती हिस्से को चोरी कर ली गयी है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने बीती रात एक सूचना के आधार पर टांडा बैरियर में चेकिंग के दौरान बाइक सवार एक व्यक्ति को चोरी की गई चंदन की लकड़ी के 6 टुकड़ों के साथ गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में उसने अपना नाम इन्द्रजीत राय पुत्र परमत राय निवासी गांधीनगर वार्ड न.-1 थाना दिनेशपुर जिला ऊधम सिंह नगर बताया। बताया कि वह पूर्व में गदरपुर व दिनेशपुर थानों से चोरी एवं अवैध हथियार के मामलों में जेल जा चुका है। जेल में उसकी मुलाकात कमल उर्फ कोमल ढाली, निवासी सूरज फार्म, ओझा, बिलासपुर (रामपुर) से हुई, जो चंदन तस्करी के मामलों में जेल गया था। चोरी की योजना बनाकर दोनों रात्रि में हल्द्वानी पहुंचे, रामपुर रोड स्थित एक कॉलोनी में मंदिर के पीछे चंदन का पेड़ काटा। आवाज होने पर लोगों के निकलने से बचने के लिए सीसीटीवी कैमरों की तार तक काट दी गई। बाद में लकड़ी को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर बेचने की योजना थी। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

फ्लाईओवर पर खड़े ट्रक में आग लगने से मचा हड़कंप

हमारे संवाददाता

देहरादून। फ्लाई ओवर पर खड़े ट्रक में अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। मामले की जानकारी मिलने पर फायर सर्विस ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। पुलिस अब आग लगने के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार राजधानी देहरादून के मियावाला फ्लाईओवर पर उस समय हड़कंप मच गया, जब फ्लाईओवर पर खड़े एक ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें और धुआं उठता देख राहगीरों ने तुरंत इसकी सूचना सिटी कंट्रोल रूम को दी। सूचना मिलते ही फायर सर्विस की टीम बिना देरी किए मौके पर पहुंची और एक डिलीवरी होज पाइप की सहायता से आग पर काबू पाया। फायर कर्मियों की त्वरित और सटीक कार्रवाई के चलते आग को आसपास के वाहनों और संरचनाओं तक फैलने से पहले ही बुझा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि की कोई सूचना नहीं है। हालांकि, आग लगने के कारण ट्रक को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। फायर विभाग और पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

रेलवे स्टेशन परिसर में मिला शव, हड़कंप

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। रुड़की रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर आज सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह रूड़की रेलवे स्टेशन परिसर में कम्बल से लिपटा एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव को देख आसपास के लोगों और यात्रियों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना गंगनहर कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही गंगनहर कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। तलाशी के दौरान मृतक के कपड़ों से एक आधार कार्ड बरामद हुआ है। आधार कार्ड के अनुसार मृतक की पहचान अमित पुत्र सुरेश (उम्र लगभग 38 वर्ष) के रूप में हुई है, जो गंगनहर कोतवाली क्षेत्र के गणेशपुर का रहने वाला बताया जा रहा है। गंगनहर कोतवाली प्रभारी मनोहर भंडारी ने बताया कि मृतक के पास मिले आईडी प्रूफ के आधार पर उसकी शिनाख्त की गई है। पुलिस की एक टीम को आधार कार्ड पर दिए गए पते पर भेजकर परिजनों की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि मृतक रेलवे स्टेशन परिसर के बाहर एक कंबल में लेटा हुआ मिला था और वह लंबे समय से किसी बीमारी से जूझ रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रुड़की के सरकारी अस्पताल भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

ओवरलोड डंपरों का कहर, ग्रामीण भड़के रोके वाहन

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बेडपुर चौक से मुकर्रबपुर से होकर गुजर रहे मिट्टी से भरे ओवरलोड खनन डंपरों के खिलाफ आज स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सड़कों की बदहाली और उड़ती धूल से परेशान ग्रामीणों ने डंपरों के आगे टायर लगाकर उन्हें मौके पर ही रोक दिया और चालकों से तीखी नोकझोंक की।

ग्रामीणों का कहना है कि इन भारी वाहनों के कारण सड़कें जगह-जगह से उखड़ चुकी हैं, गहरे गड्ढे बन गए हैं और हर समय धूल उड़ती रहती है, जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार लोग गड्ढों में गिरकर घायल भी हो चुके हैं।

आरोप है कि कलियर क्षेत्र में परमिशन की आड़ में मिट्टी से भरे खनन डंपर बेडपुर चौक से मुकर्रबपुर, पीपल चौक होते हुए भारी भीड़ वाले मार्ग से बेरोकटोक दौड़ रहे हैं। खनन सामग्री ढोने के लिए बड़े बड़े डंफरो का इस्तेमाल किया जा रहा है, वह भी क्षमता से कहीं अधिक वजन के साथ। इसका सीधा असर सड़कों की हालत और लोगों की सुरक्षा पर पड़ रहा है।

आज सुबह जब कुछ डंपर खनन सामग्री लेकर गुजर रहे थे, तभी स्थानीय निवासियों ने उन्हें रोककर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने चालकों को साफ शब्दों में बताया कि सड़क पर बने गड्ढे और उड़ती धूल उनके लिए जानलेवा साबित हो रही है। काफी देर तक चले विरोध के बाद डंपर चालकों ने गड्ढे भरवाने, नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराने और वाहनों को सीमित गति से चलाने का आश्वासन दिया, तब जाकर ग्रामीणों ने वाहनों को आगे जाने दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।